an>

Title: Need to appoint at least one Neurosurgeon in every hospital to issue certificates for mentally challenged persons.

डॉ. उदित राज (उत्तर-पश्चिम दिल्ली) : सभापति महोदय, मैं आपका ध्यान केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों की तरफ आकर्षित करना चाहूंगा। हमारी सरकार इस बात के लिए कटिबद्ध है कि वह दिव्यांग, डिसेबल्ड लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं प्रदान कराए, चाहे मेडिकल सुविधाएं हों, नौकरी देने की बात हो, या उनके लिए आर्टीफीशियल लिम्ब्स, इक्यूपमेंट के संबंध में हो। इसमें एक बहुत बड़ी अड़चन यह आ रही है कि जो दिव्यांग हैं, डिसेबल्ड हैं, उनको सर्टिफिकेट नहीं मिल पाता है। दिल्ली में यदि देखा जाए तो केवल 28 प्रतिशत डिसेबल्ड व्यक्तियों को ही सर्टीफिकेट मिल पाता है।

जहां तक मानसिक स्तर पर जो दिव्यांग, डिसएबल्ड हैं, उनकी हालत और भी खराब है। इनमें 10 से 12 परसेंट लोगों को ही सर्टिफिकेट्स मिल पाते हैं। जब तक सर्टिफिकेट नहीं मिलते, तब तक ये लोग सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते हैं और इन्हें नौकरी मिलने में भी दिक्कत होती है। आज हालत यह है कि दिल्ली में केवल एक ही जगह स्थित इंस्टीट्यूट में दिव्यांगों को सर्टिफिकेट्स मिलते हैं, उसका नाम इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमैन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज है और यह दिलशाद गार्डन में स्थित है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि इसके अलावा अन्य जगहों पर या कई केन्द्रों पर दिव्यांगों को सर्टिफिकेट्स देने का प्रावधान किया जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा दिव्यांग सर्टिफिकेट्स ले सकें।

इसके अलावा मैं कहना चाहता हूं कि मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमैन्ट के द्वारा बड़े सराहनीय कार्य किये जा रहे हैं। गत तीन सालों में इसके द्वारा बहुत ज्यादा प्रगति हुई है और माननीय गेहलोत जी के द्वारा इसके लिए कार्य किया गया और माननीय प्रधान मंत्री जी की इस दिशा में विशेष कृपा रही है। अभी तक लाखों लोगों को सुविधाएं मिल चुकी हैं, लेकिन लाखों-करोड़ों लोग अभी भी बाकी हैं। धन्यवाद।

माननीय सभापति :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री शरद त्रिपाठी तथा कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को डा.उदित राज द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

Now, I will try to accommodate a few more Members. But I would request you to complete your submissions within half a minute so that we can break for lunch at 1 o'clock.